वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

गुमला के किसानों द्वारा वन उत्पादकता संस्थान का भ्रमण

दिनांक : 28.02.2022

कृषि प्रौद्यिगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) द्वारा प्रायोजित एवं गैर सरकारी संगठन SISU (Society for Integrated social Upliftment) द्वारा आयोजित शैक्षणिक किसान भ्रमण के भ्रमणकारी 56 किसानों को दिनांक 28.02.2022 को वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। भ्रमणकारी 56 किसानों का स्वागत करते हुए श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने वन उत्पादकता संस्थान के गतिविधियों का परिचय कराया। उन्होने संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा सम्पादित शोध एवं वानिकी कार्यों की चर्चा की एवं पूर्वी क्षेत्रों में वानिकी के क्षेत्र में वन उत्पादकता संस्थान की उपलब्धियों की चर्चा की।

श्री रविशंकर प्रसाद ने शोध के क्षेत्र में संस्थान की प्रगति की चर्चा करते हुए संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होने NGT, AICRP, FGR आदि परियोजनाओं की चर्चा की एवं पर्यावरण हित में संस्थान की भूमिका को भी बताया। श्री प्रसाद ने बांस उत्पादन के विभिन्न तकनीको की चर्चा करते हुए बांस पौधशाला तैयार करने के तरीकों को भी समझाया। बांस की उपयोगिता, मूल्यवर्धन एवं सरकार के प्रावधानों की विस्तार से चर्चा करते हुए किसानों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये। श्री सूरज कुमार ने श्री रविशंकर प्रसाद का सजयोग करते हुए बांस के बाजार और भारत में उसकी उपलब्धता के विषय में बताया।

श्री बी.डी.पंडित ने लाह पोषक क्षेत्र के किसान होने के कारण किसानों के साथ लाह उत्पादन के विभिन्न पहलूओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होने गर्मी, कुहासे एवं दुश्मन कीटों से लाह को बचाने के उपाय को बताया। रंगीनी लाह पर कुसुमी लाह को वरीयता देने एवं गुणवत्ता पूर्ण लाह उत्पादन के तरीकों को बताते हुए लाह भण्डारण एवं लाह बीज प्राप्त करने के उपायों को बताया।

क्षेत्र भ्रमण कराते हुए किसानों को श्री रविशंकर प्रसाद के द्वारा बांस की पहचान, उपयोग, लुप्तप्राय वृक्षों का संरक्षण, औषधीय पौधों की पहचान, उपयोग एवं बांस प्रवर्धन के कार्यों का प्रायोगिक रुप से दिखाया। किसानों को नर्सरी, बांस उद्यान, औंस उपवन आदि को भ्रमण कराते हुए श्री रविशंकर प्रसाद, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने राकेश कुमार एवं अन्य किसानों द्वारा पूछे गए सवालों का तर्कसंगत जवाब दिया। अपराह्न धन्यवाद ज्ञापन के साथ किसानों को अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया गया।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

वन उत्पादकता संस्थान, राँची
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

Azadi Ka Amrit Mahotsav

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY